भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3366

दिनांक 08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

युवाओं में हृदयाघात की घटनाएं

3366. **श्री मुरारी लाल मीनाः**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत तीन वर्षों अर्थात 2022 से 2025 के दौरान देश में 45 वर्ष से कम आयु वर्ग के लोगों में हृदयाघात के मामलों की संख्या में, वर्ष-वार और राज्य-वार वृद्धि हुई है;
(ख) इस संबंध में किए गए किसी अध्ययन, प्रस्तुत रिपोर्ट अथवा किए गए स्वास्थ्य संबंधी आकलन का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या देश में उक्त समस्या पर काबू पाने के लिए जन-जागरूकता उत्पन्न करने और जीवन शैली में सुधार लाने हेतु कोई अभियान चलाया जा रहा है;
(घ) यदि हाँ, तो विगत तीन वर्षों के दौरान दौसा सहित राजस्थान में इन अभियानों का वर्ष-वार और राज्य-वार क्या प्रभाव रहा है;
(ङ) क्या सरकार द्वारा दौसा जिला सहित कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जांच शिविर, ईसीजी अथवा रक्तचाप जांच शिविर आयोजित किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) क्या सरकार ने विशेषकर राजस्थान के दौसा जिले में सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में हृदय रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति और आधुनिक परीक्षण उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): हृदयाघात के मामलों से संबंधित आंकड़े केंद्रीय रूप से नहीं रखे जाते हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि दिल के दौरे के कारणों को समझने के लिए, आईसीएमआर-राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईई) ने भारत भर के 25 अस्पतालों में एक बहुकेंद्रीय मिलानयुक्त केस-कंट्रोल अध्ययन किया। इसमें 18-45 वर्ष की आयु वर्ग के मरीजों को शामिल किया गया जिनमें अक्टूबर 2021 और जनवरी 2023 के बीच तीव्र मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एएमआई) की

पहचान की गई थी। इसमें उन्हीं आयु वर्ग के मरीज़ों को रखा गया जो उन अस्पताल में अन्य कारणों से भर्ती थे तथा अस्पताल में भर्ती होने के समय से मेल खाते थे। विभिन्न जोखिम कारकों के बारे में जानकारी एकत्र की गई।

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष (जो अभी प्रकाशित नहीं हुए हैं) नीचे दिए गए हैं:

i. एएमआई के साथ अस्पताल में भर्ती होने की संभावना उन लोगों में अधिक पायी गई जिनमें पहले से किसी सह-रुग्णता की उपस्थिति थी, थ्रोम्बोटिक घटना का पारिवारिक इतिहास था और जिन्होंने कभी धूम्रपान किया था।
ii. कोविड-19 टीकाकरण प्राप्त करने से एएमआई के जोखिम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।
iii. जिन व्यक्तियों में सह-रुग्णता की स्थिति नहीं थी, फिर भी यदि थ्रोम्बोटिक घटनाओं का पारिवारिक इतिहास था या वे कभी धूम्रपान कर चुके थे, तो उनमें भी एएमआई का जोखिम अधिक पाया गया।

(ग) से (ङ): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के भाग के रूप में देश में उच्च रक्तचाप सहित सामान्य गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की जांच का लक्ष्य था।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की सार्वभौमिक जांच के लिए एनसीडी जांच अभियान 20 फरवरी, 2025 से 31 मार्च 2025 तक चलाया। यह अभियान राजस्थान सहित पूरे देश में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में चलाया गया।

इसके अलावा, सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी कार्यकलापों और लक्षित संवाद को बढ़ावा देकर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के तहत गैर-संचारी रोगों के निवारण को और मजबूत बनाया गया। गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में निरंतर रूप से सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत, राजस्थान सहित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार जागरूकता सृजन क्रियाकलापों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

राजस्थान सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के सहयोग से जागरूकता पैदा करने और जीवनशैली में सुधार लाने के लिए प्रत्येक जिले में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया गया। जन जागरूकता के लिए सामाजिक संगठनों के समन्वय से उच्च रक्तचाप दिवस समारोह, शिविर, होर्डिंग्स, वॉल पेंटिंग, पैम्फलेट, ऑडियो, वीडियो आदि के माध्यम से आईईसी डिस्प्ले जैसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप, जनता में जागरूकता के कारण पिछले कुछ वर्षों में उच्च रक्तचाप की जाँच में वृद्धि हुई है। राजस्थान के दौसा जिले सहित क्षेत्रीय स्तर पर नियमित स्वास्थ्य और रक्तचाप जाँच शिविर आयोजित किए जाते हैं।

(च) : स्वास्थ्य राज्य का विषय है। तथापि, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के माध्यम से देश के राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम राज्य की आवश्यकता और प्रस्ताव के अनुसार हृदय रोगों सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, जाँच, शीघ्र निदान, रेफरल, उपचार और स्वास्थ्य संवर्धन पर केंद्रित है।

*****